अध्यक्षीय भाषण

प्रिय शेयरधारको,

कंपनी की 39वीं वार्षिक आम सभा में आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

चालू वर्ष के दौरान विश्व 2008 की वैश्विक मंदी से उबरकर आर्थिक स्थिरता फिर से हासिल करने के रास्ते पर आगे बढ़ता रहा है। औद्योगीकृत देशों में 2009 से सकारात्मक विकास फिर शुरू हो गया है किंतु इनमें से अनेक देशों में वृहत आर्थिक असंतुलनों और राजकीय ऋण के बारे में चिंताओं सहित आर्थिक संभावनाओं पर अनिश्चितताओं के बादल छाए रहे। वैश्विक विकास और अवसरों के मामले में अग्रणी होने के नाते उभर रहे बाजार और अधिक मज़बूती से विकास कर रहे हैं। फिर भी, निकट भविष्य में पूरे विश्व में अर्थव्यवस्थाओं को विभिन्न मुश्किल कारकों जैसे वस्तु मूल्यों, खास तौर से कच्चे तेल, खनिजों और खाद्य मदों के मूल्यों में तेजी से वृद्धि और मुद्रा तथा इक्विटी बाजारों में अस्थिरता से जूझना होगा और कामयाबी हासिल करनी होगी।

वैश्विक इस्पात परिदृश्य

वैश्विक इस्पात उत्पादन, जो वैश्विक वित्तीय संकट के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुआ था, 2010 में संकट से अच्छी तरह से उबर गया और इस दौरान 1414 मिलियन टन अपरिष्कृत इस्पात का उत्पादन हुआ जो 2009 की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।

2010 में परिसज्जित इस्पात की खपत 1283 मिलियन टन हुई जिसमें पिछले वर्ष के मुकाबले 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वर्ष 2011 और 2012 के लिए विश्व इस्पात संघ (डब्ल्यूएसए) ने विश्व इस्पात खपत में 6 प्रतिशत वार्षिक की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। इसके मुकाबले जनवरी-जुलाई, 2011 के दौरान वैश्विक स्तर पर अपरिष्कृत इस्पात का उत्पादन 887 मिलियन टन हुआ जो पिछले वर्ष के मुकाबले 8.3 प्रतिशत अधिक था। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि वैश्विक इस्पात उत्पादन में हो रही वृद्धि अनुमानित खपत वृद्धि दर से अधिक रही है और विश्व इस्पात उत्पादन क्षमता उपयोगिता लगभग 80 प्रतिशत रही है।

भारतीय परिदृश्य

2010-11 के लिए सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर का अनुमान 8 – 8.5 प्रतिशत है जिसे मौजूदा वैश्विक स्थिति को देखते हुए बहुत अच्छा माना जाएगा। देश में स्फीतिकारी स्थिति और निवेश में गिरावट के चलते अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर में कमीपरक संशोधन करना ज़रूरी हो गया है।

भारतीय इस्पात उद्योग के संबध में डब्ल्यूएसए के अनुसार भारत 2010 में 68 मिलियन टन उत्पादन सहित विश्व में अपरिष्कृत इस्पात का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक था। जेपीसी द्वारा लगाए गए अनुमान के अनुसार भारत में कार्बन इस्पात की परिसज्जित इस्पात की खपत में पिछले वर्ष के मुकाबले 10.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। पिछले कुछ वर्षों में खपत मुख्यत: बुनियादी सुविधाओं से संबंधित निवेशों में लगातार हुई वृद्धि से हुई है। चूंकि देश में प्रति व्यक्ति इस्पात खपत विश्व में सबसे कम है जो इस समय चीन की 427 कि.ग्रा. खपत और लगभग 203 कि.ग्रा. के वैश्विक औसत खपत के मुकाबले लगभग 52 कि.ग्रा. है।

डब्ल्यूएसए ने भारत में प्रत्यक्ष इस्पात खपत में 2011 में 13 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि और समग्र खपत 69 मिलियन टन तक पहुँचने का अनुमान लगाया है। वस्तुत: यह उम्मीद है कि अगले दशक में भारत विश्व में सबसे अधिक इस्पात की खपत करने वाले देशों में से एक देश के रूप में उभरेगा। इस्पात की खपत में यह वृद्धि निर्माण, मशीन और उपस्कर, विनिर्माण और ऑटोमोबाइल जैसे इस्पात की खपत करने वाले क्षेत्रों से हासिल की जाएगी। विद्युत क्षेत्र, राजमार्ग, पत्तन, वायु पत्तन और औद्योगिक निर्माण आदि में अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं में संभावित वृद्धि आने वाले समय में इस्पात की मजबूत मांग का संकेत करती है। वास्तव में योजना आयोग द्वारा 11वीं पंचवर्षीय योजना में 450 बिलियन अमरीकी डालर की तुलना में 12वीं पंचवर्षीय योजना अवधि (2012 से 2017) में अवसंरचनात्मक विकास पर एक ट्रिलियन अमरीकी डालर के व्यय का अनुमान लगाया गया है जो इस्पात की अच्छी मांग सुनिश्चित कर रहा है।

<u>आपकी कंपनी का निष्पादन</u>

वर्ष 2010-11 के दौरान आपकी कंपनी उत्पादन, उत्पाद मिश्र और दक्षता प्राचलों में लगातार सुधार करती रही है। वर्ष 2010-11 में विक्रेय इस्पात का उत्पादन 116 प्रतिशत क्षमता उपयोगिता सहित 12.9 मिलियन टन था जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2 प्रतिशत अधिक था। तप्त धातु का उत्पादन 14.9 मिलियन टन और अपरिष्कृत इस्पात का उत्पादन 13.8 मिलियन टन हुआ और पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में इनके उत्पादन में क्रमश: 3 प्रतिशत और 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बाजार मांग के अनुरूप आपकी कंपनी ने 10.5 मिलियन टन परिसज्जित इस्पात का उत्पादन किया जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक था। आपको यह जानकर खुशी होगी कि विशेष गुणवत्ता और मूल्यवर्धित उत्पादों के 4.8 मिलियन टन के उत्पादन सहित इसमें पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3 प्रतिशत की वृद्धि करने

के अलावा इसके परिणामस्वरूप उत्पाद मिश्र में आगे भी सुधार हुआ है। आपकी कंपनी ने सतत ढलाई प्रक्रिया के जरिए 9.32 मिलियन टन अपरिष्कृत इस्पात का अब तक का सर्वाधिक उत्पादन करके और पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में इसमें 3 प्रतिशत की वृद्धि करके वर्ष 2010-11 में ऊर्जा और लागत दक्ष कंपनी बनने के अपने प्रयास जारी रखे हैं।

कंपनी ने वर्ष 2010-11 में 47,041 करोड़ रूपए का बिक्री कारोबार किया जो कंपनी के इतिहास में दूसरी बार सर्वाधिक है और पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने 7,194 करोड़ रूपए का कर-पूर्व लाभ कमाया है। तथापि, इस वर्ष का लाभ मुख्यत: आदानों, खास तौर से आयातित कोककर कोयले की कीमतों में वृद्धि के कारण प्रभावित हुआ। वर्ष 2010-11 के दौरान आयातित कठोर मुख्य कोककर कोयले का औसत एफओबी मूल्य 213 अमरीकी डालर प्रति टन था जो वर्ष 2009-10 में 128 अमरीकी डालर प्रति टन था। इसके अलावा वर्ष 2009-10 तक कोयले के आयात हेतु दीर्घकालिक करार के तहत वार्षिक मूल्य समाधान वर्ष 2010-11 में त्रैमासिक आधार पर किया गया है। आयातित कठोर कोककर कोयले का मूल्य 2011-12 की पहली तिमाही में 330 अमरीकी डालर प्रति टन के अभूतपूर्व उच्च स्तर पर पहुँच गया था और यह चालू वर्ष के दौरान धीरे-धीरे कम हो रहा है।

निधियों के इष्टतम उपयोग पर जोर देने के साथ आपकी कंपनी के पास 31 मार्च, 2011 की स्थिति के अनुसार 17,142 करोड़ रूपए की नकद परिसंपत्तियां थीं जिनका निवेश कंपनी ने अनुसूचित बैंकों में अल्पकालिक निक्षेपों में किया है। 31 मार्च, 2011 की स्थिति के अनुसार 20,165 करोड़ रूपए के कुल ऋणों सहित कंपनी का ऋण:साम्या अनुपात 0.54:1 के अनुकूल स्तर पर था। सेल बोर्ड ने पहले ही भुगतान कर दिए गए 12 प्रतिशत की दर से अंतरिम लाभांश के अलावा प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी पर 12 प्रतिशत

की दर से अंतिम लाभांश की सिफारिश की है और इस प्रकार वर्ष 2010-11 के लिए कुल लाभांश 24 प्रतिशत हो गया है।

अनुमोदित क्रैडिट रेटिंग एजेंसियों यथा मैसर्स एफआईटीसीएच और मैसर्स सीएआरई, आरबीआई ने "एएए" की रेटिंग बनाई रखी है जो आपकी कंपनी के दीर्घकालिक ऋण कार्यक्रम के लिए सर्वाधिक सुरक्षा दर्शाती है।

<u>विकास योजना</u>

वर्ष 2010 वर्ल्ड स्टील डाइनेमिक्स रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक क्षमता संवर्धन का केंद्र बन जाएगा। इसके उच्च श्रेणी के लौह अयस्क के भंडारों की प्रचुरता और सरकार के देश में अवसंरचना के निर्माण के आश्वासन को देखते हुए भारत में अगले 10 वर्षों में इस्पात उत्पादन क्षमता का संवर्धन असाधारण रूप से होगा। देश में बाजार संबंधी अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के लिए और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए भी यह महत्वपूर्ण है कि आपकी कंपनी की क्षमताओं को लगातार बढ़ाया जाए। इसे ध्यान में रखते हुए आपकी कंपनी इस समय अपने सभी संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार के पहले चरण को कार्यान्वित कर रही है जिससे तप्त धातु की क्षमता मौजूदा 13.82 मिलियन टन वार्षिक से बढ़कर वर्ष 2012-13 तक 23.46 मिलियन टन हो जाएगी। आधुनिकीकरण और विस्तार योजनाओं का लक्ष्य नई प्रौद्योगिकियों को शामिल करना, मूल्यवर्धित उत्पादों के हिस्से को बढ़ाकर उत्पाद मिश्र को और अधिक गुणवान बनाना और प्रचालनों को और अधिक ऊर्जा दक्ष तथा पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। सेल की आधुनिकीकरण और विस्तार योजना के तहत लगभग 53000 करोड़ रूपए के आर्डर दे दिए गए हैं। वर्ष 2010-11 के दौरान 11,280 करोड़ रूपए का पूंजीगत व्यय किया गया है और वर्ष 2011-12 के लिए 14,337 करोड़ रूपए का परिव्यय मुख्यत: आधुनिकीकरण और विस्तार योजनाओं के तहत परियोजनाओं के लिए नियोजित किया गया है। सेलम में

आधुनिकीकरण और विस्तार योजना को पूरा करने के बाद आपकी कंपनी के सभी पांचों एकीकृत इस्पात संयंत्रों में विभिन्न पैकेजों का निष्पादन पूर्णता के विभिन्न चरणों में है। घरेलू बाजार में इसकी मौजूदा पैठ को बनाए रखने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए आपकी कंपनी दीर्घकालिक नीतिपरक योजना 'लक्ष्य 2020', पर भी काम कर रही है और यह योजना विकास और ग्राहक संतुष्टि के जरिए लाभप्रदता हासिल करने के इसके नीतिगत उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में कंपनी को आगे बढ़ाएगी।

'लक्ष्य 2020', को हासिल करने के संबंध में प्रतिष्ठित शेयरधारकों को यह सूचित करते हुए मुझे अपार खुशी हो रही है कि आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने अगस्त, 2011 में हुई अपनी बैठक में फर्टीलाईजर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की सिंदरी इकाई के पुनरूद्धार को अनुमोदित कर दिया है और अग्रणी शेयरधारक के रूप में नामांकन आधार पर सेल का चयन किया है। सेल की योजना उपयुक्त संयुक्त उद्यम भागीदारों के साथ इस स्थान पर 5.6 एमटीपीए क्षमता का इस्पात संयंत्र, 1.15 एमटीपीए क्षमता का यूरिया संयंत्र और 1000 मेगावाट का विद्युत संयंत्र स्थापित करने की है।

कच्चा माल संबंधी सुरक्षा

आपकी कंपनी अपने इस्पात संयंत्रों की लौह अयस्क की पूरी जरूरत को अपनी निजी खानों से पूरा कर रही है। आधुनिकीकरण और विस्तार के बाद लौह अयस्क की आवश्यकता लगभग 43 मिलियन टन तक पहुँचने का अनुमान है। आपकी कंपनी आधुनिकीकरण और विस्तार के बाद मौजूदा खानों के उत्पादन को बढ़ाकर और रावघाट और चिरिया में नई खानों के विकास से भी लौह अयस्क की बढ़ी हुई जरूरत को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है। पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा मार्च, 2011 में मनोहरपुर लौह अयस्क खानों के अजीताबुरू और बुधाबुरू पट्टों के लिए चरण-1 की वन संबंधी मंजूरी और पर्यावरण संबंधी अंतिम मंजूरी प्रदान करना पहले चरण में 7 एमटीपीए क्षमता की

अत्याधुनिक यंत्रीकृत खानों के शीघ्र विकास हेतु मार्ग प्रशस्त करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। रावघाट के लिए सांविधिक मंजूरियां पहले ही प्राप्त कर ली गई हैं। किंतु इस क्षेत्र में इस समय काननू व्यवस्था संबंधी समस्याओं के चलते कार्य स्थल पर विकास संबंधी कार्य प्रभावित हुआ है। आपकी कंपनी राज्य और केंद्र स्तर पर संबंधित अधिकारियों से इस मुद्दे पर बातचीत कर रही है ताकि यथाशीघ्र कार्य शुरू किया जा सके।

आपकी कंपनी मौजूदा कोयला ब्लॉकों के विकास और साथ ही स्वदेशी कोयला उपलब्धता को बढ़ाने के लिए निजी खनन हेतु सरकारी वितरण व्यवस्था के तहत कोककर कोयले के और थर्मल कोयले के ब्लॉकों के नए आबंटन के लिए प्रयास कर रही है।

विदेशों में कोयला परिसंपत्तियां हासिल करने के संबंध में भारत सरकार द्वारा प्रवर्तक कंपनियों के रूप में सेल, सीआईएल, आरआईएनएल, एनएमडीसी और एनटीपीसी के साथ स्थापित की गई एक संयुक्त उद्यम कंपनी इंटरनेशनल कोल वेंचर्स प्रा.लि. (आईसीवीएल) के तत्वावधान में सभी प्रयास किए जा रहे हैं। आपको यह बताते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है कि आईसीवीएल ने एक इस्पात प्रसंस्करण सुविधा स्थापित करने और आईसीवीएल के लिए कोककर कोयला, थर्मल कोयला, लौह अयस्क और चूना पत्थर खानों के प्रत्यक्ष आबंटन के लिए केंद्रीय कालीमंतन सरकार, इंडोनेशिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन के कार्यान्वयन के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक, यूएसए और मंगोलिया जैसे अन्य देशों में नीतिपरक भागीदारियां करने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

<u>सहयोगात्मक विकास</u>

सेल की एक सहायक कंपनी महाराष्ट्र इलेक्ट्रोस्मेल्ट का 13 जुलाई, 2011 से सेल में विलय हो जाने के परिणामस्वरूप यह सेल की इकाई बन गई है और इसे चंद्रपुर फैरो

मिश्र संयंत्र का नाम दिया गया है। इससे आपकी कंपनी के लिए इस्पात उत्पादन हेतु फैरो मिश्र जैसे अन्य महत्वपूर्ण कच्चे माल की सुनिश्चितता को बढ़ाना सुसाध्य हो जाएगा। एक नई सबमर्ज्ड आर्क फर्नेस की स्थापना करके इस इकाई की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की दिशा में हम पहले ही आगे बढ़ रहे हैं।

मैसर्स बर्न स्टैंडर्ड कंपनी लिमिटेड (बीएससीएल) की सेलम में एक रिफैक्ट्री इकाई को स्थानांतरित करने के लिए जून, 2010 में आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति के अनुमोदन के बाद रिफैक्ट्री इकाई के अधिग्रहण के लिए तमिलनाडु में "सेल रिफैक्ट्री कंपनी लिमिटेड" नामक सेल की एक सहायक कंपनी को निगमित किया गया है। नई बनाई गई कंपनी को सेलम में रिफैक्ट्री इकाई के स्थानांतरण के तौर तरीकों का निर्धारण अंतिम चरण में है।

मैसर्स राइट्स के साथ संयुक्त उद्यम करार करने के बाद दिसंबर, 2010 में "सेल राइट्स बंगाल वैगन इंडस्ट्री प्रा. लि." नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी को निगमित करने जैसी पहलों सहित भारतीय रेलवे के साथ भागीदारी को मजबूत बनाने के लिए नए क्षेत्र तलाश किए गए हैं। इस कंपनी के पास विशेष हाई एंड वैगनों और आधुनिक स्टेनलेस स्टील वैगनों के विनिर्माण को शामिल करते हुए प्रति वर्ष 1500 वैगन का विनिर्माण करने की क्षमता होगी। सेल और बीएससीएल ने जैलिंघम, पश्चिम बंगाल में कास्ट स्टील बोगियों, कपलरों और अन्य संबंधित उत्पादों के विनिर्माण हेतु सुविधाएं स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। भारतीय रेलवे 5000 बोगियों और 10 वर्ष की अवधि के लिए प्रति वर्ष इतनी ही संख्या में कपलरों की सुनिश्चित मात्रा को खरीदेगा। भारत और विदेश में रेल अवसंरचना परियोजनाओं पर संयुक्त रूप से काम करने के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रम आईआरसीओएन इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस्पात और सीमेंट में प्री-फैब्रिकेटेड स्ट्रक्चर्स, जो तेजी से बढ़ रहा कारोबार क्षेत्र है, में कारोबार करने के लिए मैसर्स हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड के साथ एक अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

आपकी कंपनी ने सहयोगात्मक कारोबारी अवसर तलाश करके और संयुक्त अनुसंधान और विकास कार्यकलापों को बढ़ाकर रक्षा क्षेत्र के लिए मूल्यवर्धित उत्पाद विकास को बढ़ाने के लिए मैसर्स मिश्र धातु निगम लिमिटेड (एमआईडीएचएएनआई) के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे दोनों कंपनियों को अपने कारोबारी और नीतिपरक हितों में वृद्धि करने के लिए अपनी महत्वपूर्ण क्षमताओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

आपकी कंपनी ने ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्ता वाले इस्पात मदों के उपयोग को प्रोत्साहित करने और देश के भीतरी हिस्सों में कंपनी के ब्रांडेड उत्पादों की पैठ बढ़ाने के लिए हाल ही में एक ग्रामीण डीलरशिप योजना शुरू की है। यह पहल इस तथ्य को ध्यान मे रखते हुए भी महत्वपूर्ण है कि ग्रामीण खपत में 10 कि.ग्रा. प्रित व्यक्ति प्रति वर्ष के मौजूदा स्तर पर काफी बढोतरी होने की संभावना है।

<u>प्रौद्योगिकी अग्रणीयता को बढ़ाना</u>

प्रौद्योगिकी अग्रणीयता को हासिल करना ध्यान केंद्रित करने योग्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। प्रौद्योगिकीय दखल बढ़ाने के लिए निम्नलिखित नीतिगत पहलें की गई हैं:

- आपकी कंपनी ने दीर्घकालिक विकास के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियां हासिल करने और उनके विकास को सुसाध्य बनाने के लिए अनुसंधान एवं विकास की मास्टर योजना तैयार की है। मूलत: नई प्रौद्योगिकियां हासिल करने के उद्देश्य से योजना का विशेष लक्ष्य कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) इलेक्ट्रिकल स्टील का

उत्पादन करना, वैकल्पिक लौह उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास, एंडलैस स्ट्रिप का उत्पादन, कार्बनडाईऑक्साईड अपचयन और भंडारण तथा कॉम्पैक्ट इस्पात संयंत्रों को डिजाइन करके भूमि के उपयोग को इष्टतम बनाना है। योजना के अनुसार सेल कच्चे माल और ऊर्जा की खपत में कमी और कच्चे माल के उपयोग में और अधिक लोचशीलता लाने के लिए उपाय, कार्बनडाईऑक्साईड के उत्सर्जन में कमी और बेहतर अपशिष्ट उपयोग के उद्देश्य से निगम स्तर पर प्रौद्योगिकी मिशनों और हाई इम्पैक्ट परियोजनाओं को शुरू करेगा। योजना का लक्ष्य न्यून श्रेणी के अयस्कों का सज्जीकरण और पैलेटाइजेशन और इस्पात के निर्माण में मध्यम और गैर कोककर कोयले के उपयोग को बढ़ाना है।

इसके अलावा अलग-अलग इस्पात संयंत्र के स्तर पर सैंटर्स ऑफ एक्सीलेंस (सीओईज) की स्थापना की जाएगी जो बुनियादी रूप से विभिन्न उत्पाद विकास और प्रमुख ग्राहकों, प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं के साथ सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। योजना में उत्पाद विकास के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में सुपर क्रिटिकल थर्मल और परमाणु विद्युत सृजन, रक्षा, अक्षय ऊर्जा, हाई राइज भवनों के लिए भूकंप और अग्निरोधी व्यवस्थाओं सहित अधिक मजबूत प्रोफाइल्स के लिए इस्पात जैसे इस्पात के मांगपरक बाजारों की पहचान की गई है।

सेल में बड़े संगठन के रूप में निगमित अनुसंधान और विकास केंद्र की स्थापना की जाएगी जो केंद्रीकृत अनुसंधान और विकास तथा संयंत्र स्तर के सीओईज दोनों का काम देखेगा। स्पष्ट रूप से नई नीति सेल में अनुसंधान और विकास को और अधिक ऊँचाई पर ले जाएगी और अनुसंधान और विकास पर होने वाला व्यय सकल बिक्री के एक प्रतिशत से अधिक हो जाएगा।

- जापान की मैसर्स केओबीई स्टील लिमिटेड (केएसएल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद आपकी कंपनी लौह अयस्क चूरे और गैर कोककर कोयले का उपयोग करके नगैट्स के रूप में उत्तम श्रेणी के लौह अयस्क का उत्पादन करने के लिए केएसएल द्वारा विकसित आईटीएमके3 प्रौद्योगिकी के उपयोग की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए संयुक्त रूप से काम कर रही है। आईटीएमके3 प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 0.5 एमटीपीए क्षमता की सुविधा की स्थापना करने के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट पूर्णता के अंतिम चरण में है।

<u>उभर रहे वैश्विक अवसर</u>

इस्पात प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रही प्रगति और संसाधनों के इष्टतम उपयोग को अधिकतम करने की जरूरत के कारण वैश्विक इस्पात उद्योग के स्वरूप में बदलाव आ रहे हैं। आने वाले समय में वैश्विक स्तर की कंपनी बनने के लिए आपकी कंपनी उत्पादों के विपणन और साथ ही कच्चा माल प्राप्त करने के लिए विदेशों में मिल रहे अवसरों का फायदा उठाने की कोशिश कर रही है। सरकारी क्षेत्र के तीन उपक्रमों और निजी क्षेत्र की 4 कंपनियों के परिसंघ की अग्रणी कंपनी के रूप में आपकी कंपनी ने हाजीगक आयरन ओर डिपोजिट्स, अफगानिस्तान में अनेक अन्वेषण संबंधी रियायतों के लिए एक बोली प्रस्तुत की है। एक वैश्विक कंपनी के रूप में आपकी कंपनी अन्य देशों में भी ऐसी परियोजनाएं शुरू करने का इरादा रखती है1

<u>विद्युत</u>

इस्पात संयंत्र के सुचारू प्रचालन को सुनिश्चित करने और लागत प्रतिस्पर्धात्मकता को बनाए रखने के लिए भी विद्युत एक प्रमुख महत्वपूर्ण आदान है। आधुनिककीरण और विस्तार योजना के चल रहे चरण के कार्यान्वयन से सेल की विद्युत की आवश्यकता

लगभग 1200 मेगावाट के मौजूदा स्तर से बढ़कर वर्ष 2012-13 तक लगभग 1900 मेगावाट हो जाएगी। वर्ष 2020 तक खानों की विद्युत आवश्यकता सहित इस्पात संयंत्रों का औसत लोड लगभग 4600 मेगावाट तक हो जाने का संभावना है। इसके लिए सेल बीएसपी में 2x250 मेगावाट की इकाइयों और आरएसपी में 1x250 मेगावाट इकाई की स्थापना करके एनटीपीसी के साथ इसके एनएसपीसीएल नामक संयुक्त उद्यम के जरिए बीएसपी और आरएसपी में निजी विद्युत सृजन क्षमता को बढ़ाने की योजना बना रहा है। एनएसपीसीएल ने विभिन्न सांविधिक और पर्यावरण संबंधी मंजूरियों और कोयला तथा जल के आबंटन के लिए भी आवेदन किया है। उचित समय पर ऐसी और भी विद्युत संबंधी परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

विद्युत अधिनियम, 2003 और राष्ट्रीय विद्युत नीति में दिए गए नीति संबंधी ढांचे के अनुरूप आपकी कंपनी ने अक्षय ऊर्जा खरीद संबधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए एक दीर्घकालिक नीति तैयार की है और अक्षय ऊर्जा स्रोतों के आधार पर निजी विद्युत सृजन सुविधा स्थापित करने के लिए विकल्पों का आकलन किया जा रहा है।

<u>हमारी पृथ्वी के स्वास्थ्य की रक्षा</u>

एक जिम्मेदार निगमित कंपनी के रूप में आपकी कंपनी एक स्वच्छ और वहनीय पर्यावरण के लिए अपना योगदान देने की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराती है और अपने करोबारी दर्शन और मूल्यों के एक अभिन्न भाग के रूप में अपने पर्यावरण निष्पादन को लगातार बढ़ा रही है। सेल संयंत्रों ने निरंतर प्रयासों के द्वारा प्रमुख पर्यावरण संबंधी प्राचलों में सुधार किया है जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2010-11 में पार्टिकुलेट मैटर एमीशन लोड, विशिष्ट बहि:स्राव और विशिष्ट जल खपत में और अधिक कमी आई है। वर्ष 2010-11 के दौरान 1.74 लाख पौधे सेल संयंत्रों और खानों में लगाए गए थे और अब लगाए गए पौधों की कुल संख्या 177 लाख हो गई है। इसके अलावा कुटेश्वर चूना

पत्थर खान को आईएसओ-14001 प्रमाणन प्रदान किया गया था। इसके साथ अधिकांश इस्पात संयंत्र के अलावा हमारी प्रमुख लौह अयस्क खानों में से 5 खानों को यह प्रमाणन पहले ही प्रदान किया जा चुका है।

<u>जिम्मेदार निगमित कंपनी</u>

एक जिम्मेदार निगमित कंपनी के रूप में सेल को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की पूरी जानकारी है। आपकी कंपनी दीर्घकालिक विकास अपने सभी हिस्सेदारों के हितों को पूरा करने के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हम पर्यावरण संबंधी और आर्थिक पद्धतियों के संबंध में निष्पादन में सुधार करने और अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने और समाज पर एक सकारात्मक छाप छोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। वास्तव में सेल की शैली में समाज के प्रति प्रतिबद्धता पर विशेष जोर दिया गया है और इसलिए अन्य बातों के साथ-साथ लोगों के जीवन में एक सार्थक बदलाव लाने की बात कही गई है।

आपकी कंपनी के निगमित सामाजिक जिम्मेदारी कार्यकलापों में स्वास्थ्य और चिकित्सा तथा शिक्षा, पेय जल की उपलब्धता, संपर्क/सड़कों की उपलब्धता, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स (एसएचजीएस) के जरिए आय का सृजन आदि जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। स्वास्थ्य के संबंध में सेल 54 प्राइमरी हेल्थ सेंटर्स, 12 रीप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ सेंटर, 17 अस्पतालों और 7 अति विशिष्ट अस्पतालों का प्रचालन कर रहा है जो इसके संयंत्रों और इकाइयों के आस-पास रहने वाले लगभग 30.60 मिलियन लोगों को विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाते हैं। उपर्युक्त 5 स्थानों पर मुफ्त चिकित्सा परामर्श, दवाइयों और टीकाकरण आदि सहित सुविधाओं से वंचित लोगों के लिए ही मुफ्त चिकित्सा स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं। वर्ष 2010-11 में 3800 से अधिक शिविर आयोजित किए गए थे जिनसे लगभग 2.64 लाख व्यक्ति लाभान्वित हुए। हेल्पेज इंडिया

और भारत सेवा श्रम संघ जैसे विभिन्न गैर सरकारी संगठनों को वर्ष के दौरान 24 ऐंबुलेंस उपलब्ध करवाए गए हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में सेल ने लगभग 70000 बच्चों को आधुनिक शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए इस्पात बस्तियों में 146 से अधिक स्कूल खोले हैं। आदिवासी बच्चों को गोद लेने और मुफ्त शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध करवाने के अलावा सेल ने शिक्षा के सभी स्तरों पर लड़का:लड़की का 1:1 का अनुपात हासिल किया है और सेल प्राइमरी स्कूलों में 93 प्रतिशत और सेल सेकेंडरी स्कूलों में 90 प्रतिशत बच्चों के बने रहने का लक्ष्य हासिल किया है। भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला, बोकारो और बर्नपुर में 5 एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थलों पर खास तौर से गरीब और सुविधाओं से वंचित बच्चों के लिए ही विशेष स्कूल शुरू किए गए हैं। इन स्कूलों में उपलब्ध करवाई गई सुविधाओ में मुफ्त शिक्षा, यूनीफार्म, स्टेशनरी मद और स्कूल बैग आदि शामिल हैं।

सेल ने 79 आदर्श इस्पात गांवों (एमएसवीज) का व्यापक रूप से विकास शुरू किया है और यह आदर्श गांव 8 राज्यों नामत: बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में स्थित हैं। इन गांवों में शुरू किए गए विकास कार्यों में चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, सड़कें और संपर्क, स्वच्छता, सामुदायिक केंद्र, आय सृजन और खेल-कूद सुविधाएं आदि शामिल हैं। वर्ष 2011 तक 62 एमएसवीज का कार्य पूरा कर लिया गया है।

राष्ट्र निर्माण में एक जिम्मेदार निगमित कंपनी के रूप में आपकी कंपनी की भूमिका को विभिन्न मंचों पर प्रतिष्ठित पुरस्कारों, सम्मान और उपाधियों के रूप में सराहा गया है। आपकी कंपनी को लोहा और इस्पात श्रेणी में वॉकहार्ड्ट आपरेटिंग फाउंडेशन द्वारा 'इंडिया शाइनिंग स्टॉर सीएसआर अवॉर्ड - 2010' पुरस्कार, 2008-09 के लिए 'स्कोप मैरिटोरियस अवॉर्ड फॉर कार्पोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी एंड रिस्पोंसिवनेस', 'द विजन कार्पोरेट ट्रिपल

इम्पैक्ट – बिजनेस परफॉर्मेंस – सोशल एंड एनवॉयरनमेंटल एक्शन्स एंड ग्लोबलाइजेशन अवॉर्ड' की श्रेणी मे वार्षिक फिक्की पुरस्कार, 2008-09, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार का सीएसआर पुरस्कार, स्वर्ण मयूर पुरस्कार-2008-2009 आदि पुरस्कार प्रदान किए गए थे।

<u>उपक्रम स्कोर कार्ड 2011-12</u>

आपकी कंपनी में पहली बार निष्पादन प्रबंधन और नीतिपरक तैनाती के मूल्यांकन/आकलन के लिए संतुलित स्कोर कार्ड प्रणाली (बीएसएस) शुरू की गई है। उपक्रम स्कोर कार्ड के आधार पर इकाई स्कोर कार्ड और कार्यपालक निदेशक तथा महाप्रबंधक के स्तर तक अधिकारियों के स्कोर कार्ड तैयार करने की कवायद की जा रही है।

<u>उत्कृष्टता को मान्यता</u>

वर्ष 2010-11 के दौरान आपकी कंपनी और साथ ही इसके कर्मचारियों के उत्कृष्ट निष्पादन को चारों तरफ से प्रशस्ति और सराहना मिली है। आपके कंपनी के कर्मचारी अधिकतम प्रधान मंत्री श्रम पुरस्कार और भारत सरकार द्वारा घोषित विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार लगातार हासिल कर रहे हैं। जिससे हमारे कर्मचारियों की सृजनात्मकता और अभिनव क्षमताओं को मान्यता मिली है। सेल के कर्मचारियों ने एक बार फिर से अपनी दिलेरी को सिद्ध कर दिया है। श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2010 के दौरान घोषित 33 प्रधान मंत्री श्रम पुरस्कारों में से 17 पुरस्कार सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को मिले थे जिनमें से सेल के कर्मचारियों ने 11 पुरस्कार प्राप्त किए। वर्ष के लिए पुरस्कार हासिल करने वाले 76 विजेताओं में से 45 अर्थात 59 प्रतिशत सेल के कर्मचारी थे जो किसी भी संगठन के लिए एक उल्लेखनीय सफलता है। प्रतिष्ठित विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार (वीआरपी) जीतने वाले कुल 128 विजेताओं में से 74 सेल से हैं। हैदराबाद में

आयोजित इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑन क्वॉलिटी कंसेप्ट सर्कल्स – 2010 में सेल के कर्मचारियों ने 18 स्वर्ण, 6 रजत और 2 कांस्य पुरस्कार हासिल किए।

आपकी कंपनी की संगठनात्मक उत्कृटता को विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर मान्यता और प्रशस्ति मिली है। सेल द्वारा जीते गए कुछ उल्लेखनीय पुरस्कारों में वर्ष 2009-10 के लिए 'स्कोप मैरिटोरियस अवॉर्ड्स' फॉर एनवॉयरनमेंट एक्सीलेंस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, "एशिया बेस्ट एम्पलॉयर अवॉर्ड" फॉर 'कंन्टीन्यूअस इनोवेशन इन एचआर स्ट्रेटैजीज एट वर्क', इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा "पीएसयू एक्सीलैंस अवॉर्ड्स 2010" फॉर "बेस्ट ह्यूमैन रिसोर्स मैनेजमेंट" एंड "रिसर्च एंड डेवलपमेंट, टैक्नोलॉजी डेवलपमेंट एंड इनोवेशन" धातु और खनिज तथा व्यापार पुरस्कार श्रेणी के तहत "इंडिया प्राइड अवॉर्ड" आदि शामिल हैं।

राजभाषा को बढ़ावा देने में सेल के प्रयासों को भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन के लिए टॉलिक द्वारा नगर स्तर पर प्रथम पुरस्कार के रूप में मान्यता दी गई है। सेल को राष्ट्रीय हिंदी अकादमी द्वारा सर्वश्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय राजभाषा शील्ड भी प्रदान की गई थी। सेल की आंतरिक हिंदी पत्रिका इस्पात भाषा भारती को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया है।

<u>सेल का फालो ऑन पब्लिक ऑफर</u>

30 सितंबर, 2010 को प्रतिष्ठित शेयरधारकों को अपने पिछले संबोधन में मैंने सेल द्वारा जनता को दी गई शेयरों की और 10 प्रतिशत की पेशकश और पीएफओ की प्रत्येक 5 प्रतिशत की 2 अलग-अलग समान ट्रांचेज में कंपनी में सरकार की 10 प्रतिशत शेयरधारिता की बिक्री के लिए पेशकश और सरकार द्वारा बिक्री के लिए 5 प्रतिशत की

पेशकश के बारे में सूचित किया था। पहली ट्रांच को 2010-11 में बाजार में आना था। मैं आपको सूचित करना चाहूँगा कि स्टॉक बाजार की लगातार अस्थिर स्थिति के चलते एफपीओ की पहली ट्रांच 2010-11 में नहीं आ सकी। इस मुद्दे पर बुक रनिंग लीड मैनेजर्स (बीआरएलएमएस) की सलाह के आधार पर और इस्पात मंत्रालय तथा विनिवेश विभाग के साथ परामर्श करके बाजार दशाओं के अनुकूल होने पर बातचीत की जाएगी।

निगमित अभिशासन

आपकी कंपनी लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों सहित विभिन्न कानूनों, विनियमनों और दिशा-निर्देशों के तहत अपेक्षित पारदर्शिता, प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग सुनिश्चित करके निगमित अभिशासन के उच्चतम मानकों के अनुरूप बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

आभार

मैं प्रतिष्ठित शेयरधारकों को उनके द्वारा लगातार दिए गए सहयोग और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा इसी की बदौलत आपकी कंपनी वर्ष 2010-11 में आदान लागत में वृद्धि के बावजूद अच्छा वित्तीय निष्पादन कर सकी है। आप सभी ने इस महान कंपनी के निर्माण में आपके अपने उल्लेखनीय तरीके से योगदान दिया है। मैं एक ऐसे संगठन का संचालन कर रहा हूँ जिसकी प्रतिष्ठा का आधार इसके तमाम हिस्सेदार हैं जिनमें अन्य के साथ-साथ प्रतिष्ठित शेयरधारक, कर्मचारी और माननीय ग्राहक शामिल हैं। सेल तरक्की पर है और लंबी छलांग लगाने को तैयार है। मैं आपके स्थिर और सुदृढ़ सहयोग की कामना करता हूँ क्योंकि आने वाले वर्षों में सेल को एक वैश्विक कंपनी बनाने के लिए हम सभी मिलकर काम कर रहे हैं। मैं सेल के बोर्ड, हमारे हिस्सेदारों और सभी सदस्यों द्वारा दिए गए असीम सहयोग के लिए उनका आभारी हूँ। मैं इस्पात मंत्रालय,

भारत सरकार, राज्य सरकारों और अन्य संगठनों तथा संस्थाओं द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उन्हें हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

(सी. एस. वर्मा)
अध्यक्ष

22 सितंबर, 2011
नई दिल्ली